प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 7

कक्षा–10 परीक्षा 2022–23

हिन्दी–ब (कोड–085)

निर्धारित समय– 3 घंटे **पूर्णांक – 80**

सामान्य निर्देश–

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं– खंड 'अ' और 'ब'।
2. खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
4. निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
5. दोनों खंड़ों के कुल 18 प्रश्न हैं। दोनों खंड़ों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
6. यथासभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ – (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

विद्या + अर्थी अर्थात् विद्या के हेतु जिसका जन्म हो वो है विद्यार्थी। लेकिन नित्य बढ़ती अनुशासनहीनता के कारण आजकल के विद्यार्थियों में उसका अर्थ बदल दिया है। वो इस प्रकार है जो विद्या की अर्थी निकाल दे वही विद्यार्थी है। विद्यार्थियों में बढ़ती अनुशासनहीनता के कारणों में संभवतः सर्वाधिक मुख्य कारण यह भी है कि प्रायः विद्यार्थी अनुशासन के लाभो से अपरिचित होते हैं। उन्हे ज्ञान नही होता कि अनुशासन से जीवन सुखी एवं शांत बन जाता है। अनुशासनहीनता का दूसरा कारण यह है कि आज कि शिक्षा–प्रणाली में आचरण को केवल व्यक्तिगत विषय समझ लिया गया है। विद्यार्थी को आचरण सम्बंधी शिक्षा नही दी जाती है तथा पुस्तकीय ज्ञान को ही सब कुछ मान लिया जाता है। फलतः विद्यार्थी की चंचल मानसिक प्रवृति निरंतर उद्दंडता की ओर उन्मुख होती चली जा रही है; अतः यह आवश्यक है कि हम अपनी शिक्षा–पद्धति में सुधार करें तथा आचारशास्त्र को ही आरंभिक कक्षाओं में अनिवार्य तथा उच्च कक्षाओं में वैकल्पिक विषय के रूप में स्थान दें। इसके साथ ही हमें विद्यार्थियों को यह बताना चाहिए कि अनुशासन किस प्रकार से उनके भावी जीवन के विकास में सहायक बन सकता हैं। हमें विद्यार्थियों को इस बात की शिक्षा देनी चाहिए कि अनुशासन के माध्यम से मन पर नियंत्रण करने की कला भी आती हैं। मन को अपने वश में रखने की कला भी आती है। मन को अपने वश में रखने की कला सीख लेने से यह लाभ होता है कि जीवन में प्रगति के पथ पर बढ़ते समय कोई रुकावट नहीं आतीं, लेकिन जो व्यक्ति अपने मन पर शासन करने की कला में प्रवीण नही हो पाते, उनहे सदैव परमुखापेक्षी रहना पड़ता है।

(1) विद्यार्थियों में बढ़ती अनुशासनहीनता का मुख्य कारण है–
- (क) खेल में अत्यधिक रुचि होना
- (ख) अनुशासन के लाभो से परिचित न होना
- (ग) मन का अत्यधिक चंचल होना
- (घ) परिपक्वता का अभाव

(2) विद्यार्थियों को अनुशासन के लाभों से परिचित कराना आवश्यक है, क्योंकि–
- (क) इससे उनका जीवन सुखी एवं शांत बनता है
- (ख) वे पढ़ाई में रुचि लेने लगते है
- (ग) इससे उन्हे अनुशासन का महत्व ज्ञात होता है
- (घ) वे आदर्श विद्यार्थी बन जाते है

(3) अनुशासनहीनता का दूसरा कारण है–
(क) अच्छी पुस्तकों का अभाव
(ख) अच्छे शिक्षको की कमी
(ग) शिक्षा–प्रणाली में आचरण की शिक्षा का अभाव
(घ) शिक्षण साधनों का अभाव

(4) मन को वश में रखने की कला सीखने का क्या कारण है?
(क) जीवन मे प्रगति–पथ निर्बाध हो जाता है
(ख) कार्य–कुशलता का विकास होता है
(ग) शिक्षा–प्रणाली में आचरण की शिक्षा का अभाव
(घ) शिक्षण साधनो का अभाव

(5) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A) : विद्यार्थियों में अनुशासनहीनता का प्रमुख कारण आज की शिक्षा–प्रणाली में आचरण को केवल व्यक्तिगत विषय समझ लिया जाता है।
कारण (R) : विद्यार्थियों को आचरण–संबंधी शिक्षा नही दी जाती तथा पुस्तकीय ज्ञान को ही सब कुछ मान लिया जाता है।
(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनो गलत हैं।
(ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनो सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

ईश्वर पर विश्वास बड़ी ही शानदार चीज है। अबोध बालक माँ की गोद में पहुँचकर या पिता की उंगली पकड़ लेने पर पूरी तरह से आश्वस्त हो जाता है। उसे अपने माता–पिता पर विश्वास है और यह विश्वास ही उसे भयमुक्त कर देता है। इसी प्रकार, ईश्वर का नाम लेकर उस पर विश्वास कर हम मन में शक्ति का एकीकरण कर कार्यरत होते हैं। हमारा विश्वास मजबूत होता हैं कि हमारे साथ ईश्वर हैं और हम इस कार्य में सफल होंगे। आत्मविश्वास को दृढ़ बनाने के लिए ईश्वर का अस्तित्व बनाया गया हैं। इसके साथ–साथ 'ईश्वर' की कल्पना मनुष्य को भयभीत भी करती हैं। एकांत में भी मनुष्य कोई पाप या गलत काम न कर सके, इसी आधार पर उसे सर्वव्यापी, सर्वद्रष्टा बतलाया गया है। कण–कण में उसका निवास माना गया है। मनुष्य पर नियंत्रण रखने के लिए किसी–न–किसी शक्ति की आवश्यकता तो है ही। इसी आधार पर ईश्वर की संकल्पना की गई और इसी प्रकार असफलताओं को रोकने के लिए, अपने दोष पर परदा डालने के लिए 'भाग्य' की भी कल्पना की गई। हम स्वयं अपने भाग्य विधाता हैं। जैसा कार्य करेंगें, वैसा फल पाएँगें। अतएव भाग्य को आप दोष न दें। चींटी को देखें। वह कितनी बार चढ़ती–गिरती हैं। अगर वह भाग्यवादी होती तो फिर चढ़ ही नही पाती। निरंतर प्रयास करके ही वह सफल होती हैं। वह भाग्य पर निर्भर नही, कर्म करके दिखलाती हैं। इस कारण बराबर कार्य में लगे रहे। सफलता हाथ आए या फिर असफलता, सफलता पर प्रसन्न होकर अपनी प्रगति धीमी न करें। असफलता पर घबराकर या निराश होकर मैदान छोड़कर न भागें। अपना कार्य बराबर आगें बढ़ाते रहे। जो उद्यम करते है, परिश्रमरत रहते है, निरंतर अपने कदम का ध्यान रखते है, वे अवश्य ही जो भी इच्छा करते हैं, पा जाया करते हैं।

(1) अकर्मण्य अपनी सफलता का कारण किसे मानते है?
(क) ईश्वर कों
(ख) दुर्भाग्य को
(ग) सौभाग्य को
(घ) परिश्रम कों

(2) मनुष्य का भाग्य विधाता कौन हैं?
(क) उसके अपने कर्म
(ख) उसका अपना भाग्य
(ग) उसकी अपनी शिक्षा
(घ) उसका अपना ज्ञान

(3) निम्नलिखित कथनो पर विचार कीजिए–
(i) ईश्वर की संकल्पना हमे कुमार्ग पर जाने से रोकने के लिए की गई है।
(ii) ईश्वर की संकल्पना हमें पुण्य करने का महत्त्व समझाने के लिए की गई है।
(iii) ईश्वर की संकल्पना हमें भाग्य में विश्वास करना सिखाने के लिए की गई है।
उपर्युक्त कथनों में कौन–सा/कौन–से सही है/हैं?
(क) केवल (i)
(ख) केवल (ii)
(ग) (i) और (iii)
(घ) (ii) और (iv)

(4) चींटी हमें क्या संदेश देती है?
(क) उठने के लिए गिरना आवश्यक है
(ख) सफलता बार–बार गिरने से मिलती है
(ग) सफलता हेतु सतत् प्रयास आवश्यक है
(घ) गिरने के लिए उठना आवश्यक है

(5) गद्यांश में समर्थन किया गया है–
(क) धर्मवाद का
(ख) ईश्वरवाद का
(ग) भाग्यवाद का
(घ) कर्मवाद का

3. **निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** $(1 \times 4 = 4)$

(1) 'बढ़ती हुई आबादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है।' इस वाक्य में रेखांकित पदबंध का प्रकार है–
(क) विशेषण पदबंध
(ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध
(घ) संज्ञा पदबंध

(2) 'ड़टकर संघर्ष करने वाले आप अवश्य सफल होंगें।' इस वाक्य में विशेषण पदबंध है–
(क) आप अवश्य
(ख) डटकर संघर्ष करने वाले
(ग) सफल होंगें
(घ) अवश्य सफल होंगें

(3) क्रिया पदबंध का उदाहरण छांटिए–
(क) लकड़ी के संदूक में सामान रख दो
(ख) यह साड़ी बहुत सुंदर है
(ग) पतंग हवा में उड़ती चली गई
(घ) मैनें उसकी सुबह से रात तक प्रतीक्षा की

(4) 'वह तलवार को अपनी तरफ खींचते–खींचते दूर तक पहुँच गया। 'इस वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद छाँटिए
(क) क्रिया विशेषण पदबंध
(ख) विशेषण पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध
(घ) सर्वनाम पदबंध

(5) 'तताँरा दिनभर के अथक परिश्रम के बाद समुद्र किनारे टहलने निकल पड़ा।' इस वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद है–
(क) क्रिया विशेषण पदबंध
(ख) विशेषण पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध
(घ) संज्ञा पदबंध

4. **निर्देशानुसार 'रचना' के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** $(1 \times 4 = 4)$

(1) 'रात हुई, किंतु चाँद नहीं निकला।' इस वाक्य का सरल वाक्य में रूपांतरण होगा–
(क) रात हो गई और चाँद नहीं निकला
(ख) यद्यपि रात हो गईं, लेकिन चाँद नही निकला
(ग) रात हो जाती हैं, फिर भी चाँद नहीं निकलता
(घ) रात होने पर भी चाँद नही निकला

(2) 'यद्यपि वह परिश्रमी है, तथापि प्रथम न आ सका।' इस वाक्य का भेद हैं–
(क) सरल वाक्य
(ख) मिश्र वाक्य
(ग) संयुक्त वाक्य
(घ) प्रधान वाक्य

(3) 'अधिक पढ़ने पर अधिक लाभ होगा।' इस वाक्य का मिश्र वाक्य में रूपांतरण होगा–
(क) अधिक पढ़ो तो अधिक लाभ होगा।
(ख) अधिक पढ़कर अधिक लाभ प्राप्त करों
(ग) यदि अधिक पढ़ोगे तो अधिक लाभ होगा
(घ) अधिक पढ़ने से अधिक लाभ होता है

(4) निम्नलिखित वाक्य में संयुक्त वाक्य है
(क) आपके बुलाने पर वह आ जाएगा
(ख) ऐसा काम करो जिसमें कुछ भलाई हो
(ग) राधा ने खाना खाया और सो गई
(घ) लक्ष्मी दिल्ली जाकर खुश नही है

(5) 'खिड़की के बाहर अब दोनों कबूतर रात–भर खामोश और उदास बैठे रहते हैं।' रचना की दृष्टि से वाक्य है–

(क) सरल वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य

(घ) संकेतवाचक वाक्य

5. **निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** **$(1 \times 4 = 4)$**

(1) 'गगनचुंबी' में समास है–

(क) द्विगु समास

(ख) कर्मधारय समास

(ग) तत्पुरूष समास

(घ) द्वंद्व समास

(2) 'विद्यारत्न' का समास विग्रह हैं–

(क) विद्या का रत्न

(ख) विद्या के लिए रत्न

(ग) विद्यारूपी रत्न

(घ) विद्या और रत्न

(3) निम्नलिखित युग्मो पर विचार कीजिए–

	समस्त पद		**समास**
(i)	राजदूत	(i)	तत्पुरूष समास
(ii)	नीलकंठ	(ii)	अव्ययीभाव समास
(iii)	चौराहा	(iii)	द्विगु समास
(iv)	एकदंत	(iv)	द्वंद्व समास

उपर्युक्त युग्मों में से कौन–से सही सुमेंलित हैं–

(क) (i) और (iii)

(ख) (ii) और (iv)

(ग) (i) और (ii)

(घ) (iii) और (iv)

(4) 'बाकायदा' शब्द के लिए सही समास–विग्रह और भेद का चयन कीजिए–

(क) कायदे के अनुसार – अव्ययीभाव समास

(ख) कायदे के बिना – अव्ययीभाव समास

(ग) कायदे ही कायदे – अव्ययीभाव समास

(घ) कायदे के द्वारा कृत – तत्पुरूष समास

(5) 'शब्दहीन' शब्द के लिए सही समास–विग्रह और भेद का चयन कीजिए–

(क) शब्द है जो हीन – कर्मधारय

(ख) हीन है जो शब्द – तत्पुरूष

(ग) शब्द से हीन – कर्मधारय

(घ) शब्द से हीन – तत्पुरूष समास

6. **निर्देशानुसार 'मुहावरे' पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** $(1 \times 4 = 4)$

(1) मुहावरे और अर्थ के उचित मेल वाले विकल्प का चयन कीजिए।
(क) चिकना घड़ा – अलभ्य वस्तु होना
(ख) चंपत होना – भाग जाना
(ग) घाव हरा होना – नष्ट करना
(घ) छाती पर मूँग दलना – अत्यंत प्रिय होना

(2) 'अत्यधिक प्रसन्न होना' अर्थ के लिए उचित मुहावरा हैं–
(क) आँखे खुलना
(ख) मन पसीजना
(ग) दिल बाग–बाग होना
(घ) घी के दीये जलाना

(3) माली को देखते ही अमरूद तोड़ते बच्चे बगीचे से ....। रिक्त स्थान की पूर्ति हेतु उपयुक्त मुहावरा चुनिए
(क) खिल्ली उड़ाना
(ख) नौ दो ग्यारह होना
(ग) बगले झाँकना
(घ) भाग जाना

(4) वह रात–दिन .... रहता हैं, परंतु उसके लिए कभी परिश्रम नही करता। रिक्त स्थान की पूर्ति हेतु सटीक विकल्प चुनिए
(क) आवाज उठाता
(ख) आकाश–पाताल एक करता
(ग) सपनों के महल बनाता
(घ) टाँग अड़ाता।

(5) रेखांकित अंश के लिए कौन–सा मुहावरा प्रयुक्त करना उचित रहेगा–
सड़क पर ट्रैफिक रूल तोड़ने पर पुलिस ने पवन का चालान काटना चाहा तो उसने ट्रैफिक पुलिस को रिश्वत देकर मामला खत्म किया।
(क) दाँत काटी रोटी
(ख) काठ का उल्लू
(ग) जूता
(घ) तैली का बैल

(6) 'व्यंग्य करना' वाक्यांश के लिए उपयुक्त मुहावरा हैं–
(क) सूक्ति बाण चलाना
(ख) आड़े हाथो लेना
(ग) दाँतो पसीना आना
(घ) बहुत फज़ीहत करना

7. **निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–** **$(1 \times 5 = 5)$**

कर चले हम फिदा जानो–तन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों
साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई
फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया
कट गए सर हमारे तो कुछ गम नहीं
सर हिमालय का हम ने ना झुकने दिया
मरते–मरते रहा बाँकपन साथियों
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों!

(1) 'साथियों' संबोधन किसके लिए प्रयोग किया गया है?
(क) सैनिकों के लिए
(ख) राजनेताओं के लिए
(ग) देशवासियों के लिए
(घ) किसानों के लिए

(2) सैनिकों की स्थिति में सम्मिलित है–
(क) साँस का थम जाना
(ख) नब्ज़ का जम जाना
(ग) बढ़ते कदमों का न रुकना
(घ) ये सभी

(3) 'सर हिमालय का हमने न झुकने दिया' में 'सर' किसका प्रतीक है?
(क) घमंड़ का
(ख) स्वाभिमान का
(ग) शक्ति का
(घ) ध्वजा का

(4) 'बाँकपन का अर्थ हैं–
(क) गर्व का भाव
(ख) दीनता का भाव
(ग) हीनता का भाव
(घ) डर का भाव

(5) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए
(i) सिपाही ने अपना जीवन न्योछावर कर दिया गया है।
(ii) अब देश पड़ोसी देश के हवाले है।
(iii) उसे ही इसकी रक्षा करनी हैं
(iv) सिपाहियों ने हिमालय का सिर झुकने नही दिया।
(v) मरते समय भी सिपाहियों का उत्साह और जोश बना रहा।
पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए–
(क) (i), (ii), और (iii)
(ख) (i), (iv), और (v)
(ग) (ii), (iii), और (iv)
(घ) (ii), (iv), और (v)

8. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए–** **$(1 \times 2 = 2)$**

(1) 'मीठी वाणी का औरो पर क्या प्रभाव पड़ता है?
(क) दूसरे क्रोधित हो जाते है
(ख) दूसरे सुख और संतोष का अनुभव करते हैं
(ग) दूसरे मीठी वाणी सुनकर दुखी हो जाते है
(घ) उपर्युक्त सभी

(2) अपनी इच्छाओ की पूर्ति के लिए प्रार्थना के अलावा हम और क्या करते है?
(क) मेहनत करते हैं
(ख) दूसरो से प्रेरणा लेते हैं
(ग) आत्मविश्वास पर भरोसा करते हैं
(घ) उपर्युक्त सभी

9. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–** **$(1 \times 5 = 5)$**

ऐसी एक घटना का ज़िक्र सिंधी भाषा के महाकवि शेख आयाज ने अपनी आत्मकथा में किया है। उन्होने लिखा हैं– एक दिन उनके पिता कुएँ से नहाकर लौटे। माँ ने भोजन परोसा। उन्होने जैसे ही रोटी का कौर तोड़ा उनकी नजर अपनी बाजू पर पड़ी। वहा एक काला च्योंटा रेंग रहा था। वह भोजन छोडकर उठ खडे हुए। 'माँ ने पूछा, क्या बात है? भोजन अच्छा नही लगा?' शेख अयाज़ के पिता बोले, 'नही, यह बात नही है। मैने एक घर वाले को बेघर कर दिया है। उस बेघर को कुएँ पर उसके घर छोडने जा रहा हूँ।

(1) शेख अयाज़ किस भाषा के महाकवि थे?
(क) हिंदी के
(ख) अंग्रेजी के
(ग) सिंधी के
(घ) मराठी के

(2) शेख अयाज़ के पिता कहाँ से नहाकर लौटे थें?
(क) तालाब से
(ख) नदी से
(ग) कुएँ से
(घ) स्नानघर से

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए
कथन (A) : शेख अयाज़ के पिता भोजन छोड़कर उठ खड़े हुए
कारण (R) : एक काला च्योंटा उनकी रोटी पर रेंग रहा था
(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनो गलत हैं।
(ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता हैं।
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनो सही है तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता हैं।

(4) शेख अयाज़ के पिता भोजन छोड़कर खड़े हो गए, क्योंकि–
(क) भोजन अच्छा नही बना था
(ख) उन्हे भूख नही थीं
(ग) वे नाराज हो गए थें
(घ) उन्हे च्योंटें को कुएँ पर छोड़ने जाना था

(5) गद्यांश के अनुसार शेख अयाज़ के पिता जींवों के प्रति थे
(क) संवेदनहीन
(ख) संवेदनशील
(ग) उदासीन
(घ) निर्दयी

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए– **$(1 \times 2 = 2)$**

(1) निम्नलिखित में से किस वाक्य के अनुसार बड़ें भाई साहब को लगता है कि छोटा भाई दादा की गाढ़ी कमाई बर्बाद कर रहा है–
(i) बडे भाई को सम्मान न देने के कारण
(ii) खाने–पीनेम में अधिक खर्च्र करके के कारण
(iii) खेल–कूद में समय बर्बाद करने के कारण
(iv) अध्यापकों का आदर न करने के कारण
(क) केवल (i)
(ख) (ii) और (iv)
(ग) केवल (iii)
(घ) (i) और (ii)

(2) ऐसी उड़ती हुई धुल से प्रतीत होता है जैसे की एक पूरा काफिला चला आ रहा है........यह कथन किसका है?
(क) कर्नल कालिज का
(ख) कर्नल रोज का
(ग) किसी का नहीं
(घ) वजीर अली का

खंड ब – (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए– **$(3 \times 2 = 6)$**

(1) 'डा़यरी का एक पन्ना' पाठ आपको देश की आजादी के इतिहास को पढ़ने के लिए किस प्रकार प्रेरित करता है?

(2) 'प्रेम संबंध किसी धर्म, जाति और सीमा के पाबंद नहीं होते'। 'ततॉंरा–वामीरो कथा' पाठ के आधार पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

(3) 'झेन की देन' प्रसंग में 'सारा इंजन टूट जाता है' का क्या आशय है?

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए– **$(3 \times 2 = 6)$**

(1) कवि ने दधीचि, कर्ण आदि महान व्यक्तियों का उदाहरण देकर 'मनुष्यता' के लिए क्या संदेश दिया है?

(2) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए?

(3) मीरा अपने ह्रदय की अधीरता को कैसे दूर करना चाहती हैं?

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए– **$(3 \times 2 = 6)$**

(1) टोपी और इफ़्फ़न की परंपराएँ, सोच अलग–अलग थीं फिर भी उन दोनों में इतना मेल क्यों था? कारण देते हुए स्पष्ट कीजिए।

(2) वर्तमान समय में हरिहर काका जैसे वृद्ध व्यक्तियों के प्रति युवा पीढ़ी का क्या कर्तव्य है? पाठ के आधार पर अपने विचार लिखिए।

(3) 'कोई भी भाषा आपसी व्यवहार में बाधा नहीं डालती।' 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए- $(5 \times 1 = 5)$

(1) कमरतोड़ महँगाई
- बढ़ती महँगाई
- कारण
- मुक्ति के उपाय

(2) महानगरों में महिलाओं की सुरक्षा
- महानगरों की समस्या और सुरक्षा की स्थिति
- महिलाओं की असुरक्षा
- कारण, प्रभाव और समाधान

(3) मित्र की परख संकट में
- मित्रता का महत्व
- अच्छे मित्र बुरे मित्र की पहचान
- मित्रता सौभाग्य से

15. (1) नगर की सफाई-दुर्व्यवस्था की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए स्वास्थ्य मंत्री को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। $(5 \times 1 = 5)$

अथवा

(2) दैनिक जागरण समाचार-पत्र के संपादक को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए, जिसमें दिल्ली में बढ़ती हुई अपराध-वृत्ति की ओर अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया गया हो।

16. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर पर लगभग 80 शब्दों में सूचना लिखिए- $(4 \times 1 = 4)$

(1) प्रधानाचार्य की ओर से विद्यालय में स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने जा रही खेल प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु सूचना लगभग 80 शब्दों में लिखिए।

अथवा

(2) आप इस वर्ष दशहरे के अवसर पर विद्यालय के प्रांगण में मेले का आयोजन करना चाहते हैं। इसी से संबंधित सूचना लगभग 80 शब्दों में विद्यालय के सूचना पट्ट के लिए लिखिए।

17. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए- $(3 \times 1 = 3)$

(1) आपकी बड़ी बहन ने एक संगीत सिखाने की संस्था खोली है। इसके लिए लगभग 60 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

अथवा

(2) विद्यालय के वार्षिकोत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा निर्मित हस्तकला की वस्तुओं की प्रदर्शनी के प्रचार हेतु लगभग 60 शब्दों में एक विज्ञापन लिखिए।

18. (1) 'धन यहाँ न सही कहीं और सही' विषय पर लघु कथा लगभग 100 शब्दों में लिखिए। $(5 \times 1 = 5)$

अथवा

(2) हिंदी शैक्षिक भ्रमण के रूप में इस बार आपकी कक्षा किसी गाँव में एक सप्ताह तक प्रौढ़ शिक्षा का कार्यक्रम करने की इच्छा रखती है। इसके लिए अनुमति माँगते हुए प्रधानाचार्य को ई–मेल लिखिए।

□□□□□□□

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 7 (सॉल्वड)

कक्षा–10 परीक्षा 2022–23

हिन्दी–ब (कोड–085)

निर्धारित समय– 3 घंटे **पूर्णांक – 80**

सामान्य निर्देश–

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं– खंड 'अ' और 'ब'।
2. खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
4. निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
5. दोनों खंड़ों के कुल 18 प्रश्न हैं। दोनों खंड़ों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
6. यथासभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ – (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

विद्या + अर्थी अर्थात् विद्या के हेतु जिसका जन्म हो वो है विद्यार्थी। लेकिन नित्य बढ़ती अनुशासनहीनता के कारण आजकल के विद्यार्थियों में उसका अर्थ बदल दिया है। वो इस प्रकार है जो विद्या की अर्थी निकाल दे वही विद्यार्थी है। विद्यार्थियों में बढ़ती अनुशासनहीनता के कारणों में संभवतः सर्वाधिक मुख्य कारण यह भी है कि प्रायः विद्यार्थी अनुशासन के लाभो से अपरिचित होते हैं। उन्हे ज्ञान नही होता कि अनुशासन से जीवन सुखी एवं शांत बन जाता है। अनुशासनहीनता का दूसरा कारण यह है कि आज कि शिक्षा–प्रणाली में आचरण को केवल व्यक्तिगत विषय समझ लिया गया है। विद्यार्थी को आचरण सम्बंधी शिक्षा नही दी जाती है तथा पुस्तकीय ज्ञान को ही सब कुछ मान लिया जाता है। फलतः विद्यार्थी की चंचल मानसिक प्रवृति निरंतर उद्दंडता की ओर उन्मुख होती चली जा रही है; अतः यह आवश्यक है कि हम अपनी शिक्षा–पद्धति में सुधार करें तथा आचारशास्त्र को ही आरंभिक कक्षाओं में अनिवार्य तथा उच्च कक्षाओं में वैकल्पिक विषय के रूप में स्थान दें। इसके साथ ही हमें विद्यार्थियों को यह बताना चाहिए कि अनुशासन किस प्रकार से उनके भावी जीवन के विकास में सहायक बन सकता हैं। हमें विद्यार्थियों को इस बात की शिक्षा देनी चाहिए कि अनुशासन के माध्यम से मन पर नियंत्रण करने की कला भी आती हैं। मन को अपने वश में रखने की कला भी आती है। मन को अपने वश में रखने की कला सीख लेने से यह लाभ होता है कि जीवन में प्रगति के पथ पर बढ़ते समय कोई रुकावट नहीं आतीं, लेकिन जो व्यक्ति अपने मन पर शासन करने की कला में प्रवीण नही हो पाते, उनहे सदैव परमुखापेक्षी रहना पड़ता है।

(1) विद्यार्थियों में बढ़ती अनुशासनहीनता का मुख्य कारण है–
(क) खेल में अत्यधिक रुचि होना
(ख) अनुशासन के लाभो से परिचित न होना
(ग) मन का अत्यधिक चंचल होना
(घ) परिपक्वता का अभाव

उत्तर : (ख) अनुशासन के लाभो से परिचित न होना

(2) विद्यार्थियों को अनुशासन के लाभों से परिचित कराना आवश्यक है, क्योंकि–
(क) इससे उनका जीवन सुखी एवं शांत बनता है
(ख) वे पढ़ाई में रुचि लेने लगते है
(ग) इससे उन्हे अनुशासन का महत्व ज्ञात होता है
(घ) वे आदर्श विद्यार्थी बन जाते है

उत्तर : (क) इससे उनका जीवन सुखी एवं शांत बनता है

(3) अनुशासनहीनता का दूसरा कारण है–
(क) अच्छी पुस्तकों का अभाव
(ख) अच्छे शिक्षको की कमी
(ग) शिक्षा–प्रणाली में आचरण की शिक्षा का अभाव
(घ) शिक्षण साधनों का अभाव
उत्तर : (ग) शिक्षा–प्रणाली में आचरण की शिक्षा का अभाव

(4) मन को वश में रखने की कला सीखने का क्या कारण है?
(क) जीवन मे प्रगति–पथ निर्बाध हो जाता है
(ख) कार्य–कुशलता का विकास होता है
(ग) शिक्षा–प्रणाली में आचरण की शिक्षा का अभाव
(घ) शिक्षण साधनो का अभाव
उत्तर : (क) जीवन मे प्रगति–पथ निर्बाध हो जाता है

(5) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A) : विद्यार्थियों में अनुशासनहीनता का प्रमुख कारण आज की शिक्षा–प्रणाली में आचरण को केवल व्यक्तिगत विषय समझ लिया जाता है।
कारण (R) : विद्यार्थियों को आचरण–संबंधी शिक्षा नही दी जाती तथा पुस्तकीय ज्ञान को ही सब कुछ मान लिया जाता है।
(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनो गलत हैं।
(ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनो सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है
उत्तर : (घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनो सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– $(1 \times 5 = 5)$

ईश्वर पर विश्वास बड़ी ही शानदार चीज है। अबोध बालक माँ की गोद में पहुँचकर या पिता की उंगली पकड़ लेने पर पूरी तरह से आश्वस्त हो जाता है। उसे अपने माता–पिता पर विश्वास है और यह विश्वास ही उसे भयमुक्त कर देता है। इसी प्रकार, ईश्वर का नाम लेकर उस पर विश्वास कर हम मन में शक्ति का एकीकरण कर कार्यरत होते हैं। हमारा विश्वास मजबूत होता हैं कि हमारे साथ ईश्वर हैं और हम इस कार्य में सफल होंगे। आत्मविश्वास को दृढ़ बनाने के लिए ईश्वर का अस्तित्व बनाया गया हैं। इसके साथ–साथ 'ईश्वर' की कल्पना मनुष्य को भयभीत भी करती हैं। एकांत में भी मनुष्य कोई पाप या गलत काम न कर सके, इसी आधार पर उसे सर्वव्यापी, सर्वद्रष्टा बतलाया गया है। कण–कण में उसका निवास माना गया है। मनुष्य पर नियंत्रण रखने के लिए किसी–न–किसी शक्ति की आवश्यकता तो है ही। इसी आधार पर ईश्वर की संकल्पना की गई और इसी प्रकार असफलताओं को रोकने के लिए, अपने दोष पर परदा डालने के लिए 'भाग्य' की भी कल्पना की गई। हम स्वयं अपने भाग्य विधाता हैं। जैसा कार्य करेंगें, वैसा फल पाएँगें। अतएव भाग्य को आप दोष न दें। चींटी को देखें। वह कितनी बार चढ़ती–गिरती हैं। अगर वह भाग्यवादी होती तो फिर चढ़ ही नही पाती। निरंतर प्रयास करके ही वह सफल होती हैं। वह भाग्य पर निर्भर नही, कर्म करके दिखलाती हैं। इस कारण बराबर कार्य में लगे रहे। सफलता हाथ आए या फिर असफलता, सफलता पर प्रसन्न होकर अपनी प्रगति धीमी न करें। असफलता पर घबराकर या निराश होकर मैदान छोड़कर न भागें। अपना कार्य बराबर आगें बढ़ाते रहे। जो उद्यम करते है, परिश्रमरत रहते है, निरंतर अपने कदम का ध्यान रखते है, वे अवश्य ही जो भी इच्छा करते हैं, पा जाया करते हैं।

(1) अकर्मण्य अपनी सफलता का कारण किसे मानते है?
(क) ईश्वर कों
(ख) दुर्भाग्य को
(ग) सौभाग्य को
(घ) परिश्रम कों
उत्तर : (क) ईश्वर को

(2) मनुष्य का भाग्य विधाता कौन हैं?
(क) उसके अपने कर्म
(ख) उसका अपना भाग्य
(ग) उसकी अपनी शिक्षा
(घ) उसका अपना ज्ञान
उत्तर : (क) उसके अपने कर्म

(3) निम्नलिखित कथनो पर विचार कीजिए–

(i) ईश्वर की संकल्पना हमे कुमार्ग पर जाने से रोकने के लिए की गई है।

(ii) ईश्वर की संकल्पना हमें पुण्य करने का महत्त्व समझाने के लिए की गई है।

(iii) ईश्वर की संकल्पना हमें भाग्य में विश्वास करना सिखाने के लिए की गई है।

उपर्युक्त कथनों में कौन–सा/कौन–से सही है/हैं?

(क) केवल (i)

(ख) केवल (ii)

(ग) (i) और (iii)

(घ) (ii) और (iv)

उत्तर : (क) केवल (i)

(4) चींटी हमें क्या संदेश देती है?

(क) उठने के लिए गिरना आवश्यक है

(ख) सफलता बार–बार गिरने से मिलती है

(ग) सफलता हेतु सतत् प्रयास आवश्यक है

(घ) गिरने के लिए उठना आवश्यक है

उत्तर : (ग) सफलता हेतु सतत् प्रयास आवश्यक है

(5) गद्यांश में समर्थन किया गया है–

(क) धर्मवाद का

(ख) ईश्वरवाद का

(ग) भाग्यवाद का

(घ) कर्मवाद का

उत्तर : (घ) कर्मवाद का

3. निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $(1 \times 4 = 4)$

(1) 'बढ़ती हुई आबादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है।' इस वाक्य में रेखांकित पदबंध का प्रकार है–

(क) विशेषण पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध

(ग) क्रिया पदबंध (घ) संज्ञा पदबंध

उत्तर : (ग) क्रिया पदबंध

(2) 'ड़टकर संघर्ष करने वाले आप अवश्य सफल होंगें।' इस वाक्य में विशेषण पदबंध है–

(क) आप अवश्य (ख) डटकर संघर्ष करने वाले

(ग) सफल होंगें (घ) अवश्य सफल होंगें

उत्तर : (ख) डटकर संघर्ष करने वाले

(3) क्रिया पदबंध का उदाहरण छांटिए–

(क) लकड़ी के संदूक में सामान रख दो

(ख) यह साड़ी बहुत सुंदर है

(ग) पतंग हवा में उड़ती चली गई

(घ) मैनें उसकी सुबह से रात तक प्रतीक्षा की

उत्तर : (ग) पतंग हवा में उड़ती चली गई

(4) 'वह तलवार को अपनी तरफ खींचते–खींचते दूर तक पहुँच गया। 'इस वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद छाँटिए

(क) क्रिया विशेषण पदबंध (ख) विशेषण पदबंध

(ग) क्रिया पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध

उत्तर : (ग) क्रिया पदबंध

(5) 'ततॉरा दिनभर के अथक परिश्रम के बाद समुद्र किनारे टहलने निकल पड़ा।' इस वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद है–

(क) क्रिया विशेषण पदबंध

(ख) विशेषण पदबंध

(ग) क्रिया पदबंध

(घ) संज्ञा पदबंध

उत्तर : (क) क्रिया विशेषण पदबंध

4. निर्देशानुसार 'रचना' के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $(1 \times 4 = 4)$

(1) 'रात हुई, किंतु चाँद नहीं निकला।' इस वाक्य का सरल वाक्य में रूपांतरण होगा–

(क) रात हो गई और चाँद नहीं निकला

(ख) यद्यपि रात हो गईं, लेकिन चाँद नही निकला

(ग) रात हो जाती हैं, फिर भी चाँद नहीं निकलता

(घ) रात होने पर भी चाँद नही निकला

उत्तर : (घ) रात होने पर भी चाँद नही निकला

(2) 'यद्यपि वह परिश्रमी है, तथापि प्रथम न आ सका।' इस वाक्य का भेद हैं–

(क) सरल वाक्य (ख) मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य (घ) प्रधान वाक्य

उत्तर : (क) सरल वाक्य

(3) 'अधिक पढ़ने पर अधिक लाभ होगा।' इस वाक्य का मिश्र वाक्य में रूपांतरण होगा–

(क) अधिक पढ़ो तो अधिक लाभ होगा।

(ख) अधिक पढ़कर अधिक लाभ प्राप्त करों

(ग) यदि अधिक पढ़ोगे तो अधिक लाभ होगा

(घ) अधिक पढ़ने से अधिक लाभ होता है

उत्तर : (ग) यदि अधिक पढ़ोगे तो अधिक लाभ होगा

(4) निम्नलिखित वाक्य में संयुक्त वाक्य है

(क) आपके बुलाने पर वह आ जाएगा

(ख) ऐसा काम करो जिसमें कुछ भलाई हो

(ग) राधा ने खाना खाया और सो गई

(घ) लक्ष्मी दिल्ली जाकर खुश नही है

उत्तर : (ग) राधा ने खाना खाया और सो गई

(5) 'खिड़की के बाहर अब दोनों कबूतर रात–भर खामोश और उदास बैठे रहते हैं।' रचना की दृष्टि से वाक्य है–

(क) सरल वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य

(घ) संकेतवाचक वाक्य

उत्तर : (क) सरल वाक्य

5. निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **$(1 \times 4 = 4)$**

(1) 'गगनचुंबी' में समास है–

(क) द्विगु समास (ख) कर्मधारय समास

(ग) तत्पुरूष समास (घ) द्वंद्व समास

उत्तर : (ग) तत्पुरूष समास

(2) 'विद्यारत्न' का समास विग्रह हैं–

(क) विद्या का रत्न (ख) विद्या के लिए रत्न

(ग) विद्यारूपी रत्न (घ) विद्या और रत्न

उत्तर : (ग) विद्यारूपी रत्न

(3) निम्नलिखित युग्मो पर विचार कीजिए–

	समस्त पद		समास
(i)	राजदूत	(i)	तत्पुरूष समास
(ii)	नीलकंठ	(ii)	अव्ययीभाव समास
(iii)	चौराहा	(iii)	द्विगु समास
(iv)	एकदंत	(iv)	द्वंद्व समास

उपर्युक्त युग्मों में से कौन–से सही सुमेंलित हैं–

(क) (i) और (iii) (ख) (ii) और (iv)

(ग) (i) और (ii) (घ) (iii) और (iv)

उत्तर : (क) (i) और (iii)

(4) 'बाकायदा' शब्द के लिए सही समास–विग्रह और भेद का चयन कीजिए–

(क) कायदे के अनुसार – अव्ययीभाव समास

(ख) कायदे के बिना – अव्ययीभाव समास

(ग) कायदे ही कायदे – अव्ययीभाव समास

(घ) कायदे के द्वारा कृत – तत्पुरूष समास

उत्तर : (क) कायदे के अनुसार – अव्ययीभाव समास

(5) 'शब्दहीन' शब्द के लिए सही समास–विग्रह और भेद का चयन कीजिए–

(क) शब्द है जो हीन – कर्मधारय

(ख) हीन है जो शब्द – तत्पुरूष

(ग) शब्द से हीन – कर्मधारय

(घ) शब्द से हीन – तत्पुरूष समास

उत्तर : (घ) शब्द से हीन – तत्पुरूष समास

6. निर्देशानुसार 'मुहावरे' पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **$(1 \times 4 = 4)$**

(1) मुहावरे और अर्थ के उचित मेल वाले विकल्प का चयन कीजिए।

(क) चिकना घड़ा – अलभ्य वस्तु होना

(ख) चंपत होना – भाग जाना

(ग) घाव हरा होना – नष्ट करना

(घ) छाती पर मूँग दलना – अत्यंत प्रिय होना

उत्तर : (ख) चंपत होना – भाग जाना

(2) 'अत्यधिक प्रसन्न होना' अर्थ के लिए उचित मुहावरा हैं–

(क) आँखे खुलना (ख) मन पसीजना

(ग) दिल बाग–बाग होना (घ) घी के दीये जलाना

उत्तर : (ग) दिल बाग–बाग होना

(3) माली को देखते ही अमरूद तोड़ते बच्चे बगीचे से ....। रिक्त स्थान की पूर्ति हेतु उपयुक्त मुहावरा चुनिए

(क) खिल्ली उड़ाना

(ख) नौ दो ग्यारह होना

(ग) बगले झाँकना

(घ) भाग जाना

उत्तर : (ख) नौ दो ग्यारह होना

(4) वह रात–दिन .... रहता हैं, परंतु उसके लिए कभी परिश्रम नही करता। रिक्त स्थान की पूर्ति हेतु सटीक विकल्प चुनिए

(क) आवाज उठाता

(ख) आकाश–पाताल एक करता

(ग) सपनों के महल बनाता

(घ) टाँग अड़ाता।

उत्तर : (ग) सपनों के महल बनाता

(5) रेखांकित अंश के लिए कौन–सा मुहावरा प्रयुक्त करना उचित रहेगा–

सड़क पर ट्रैफिक रूल तोड़ने पर पुलिस ने पवन का चालान काटना चाहा तो उसने ट्रैफिक पुलिस को <u>रिश्वत</u> देकर मामला खत्म किया।

(क) दाँत काटी रोटी

(ख) काठ का उल्लू

(ग) जूता

(घ) तैली का बैल

उत्तर : (ग) चाँदी का जूता

(6) 'व्यंग्य करना' वाक्यांश के लिए उपयुक्त मुहावरा हैं–

(क) सूक्ति बाण चलाना

(ख) आड़े हाथो लेना

(ग) दाँतो पसीना आना

(घ) बहुत फज़ीहत करना

उत्तर : (क) सूक्ति बाण चलाना

7. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए– $(1 \times 5 = 5)$

कर चले हम फिदा जानो–तन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों
साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई
फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया
कट गए सर हमारे तो कुछ गम नहीं
सर हिमालय का हम ने ना झुकने दिया
मरते–मरते रहा बाँकपन साथियों
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों!

(1) 'साथियों' संबोधन किसके लिए प्रयोग किया गया है?

(क) सैनिकों के लिए

(ख) राजनेताओं के लिए

(ग) देशवासियों के लिए

(घ) किसानों के लिए

उत्तर : (ग) देशवासियों के लिए

(2) सैनिकों की स्थिति में सम्मिलित है–

(क) साँस का थम जाना

(ख) नब्ज़ का जम जाना

(ग) बढ़ते कदमों का न रुकना

(घ) ये सभी

उत्तर : (घ) ये सभी

(3) 'सर हिमालय का हमने न झुकने दिया' में 'सर' किसका प्रतीक है?

(क) घमंड का

(ख) स्वाभिमान का

(ग) शक्ति का

(घ) ध्वजा का

उत्तर : (ख) स्वाभिमान का

(4) 'बाँकपन का अर्थ हैं–

(क) गर्व का भाव

(ख) दीनता का भाव

(ग) हीनता का भाव

(घ) डर का भाव

उत्तर : (क) गर्व का भाव

(5) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए

(i) सिपाही ने अपना जीवन न्योछावर कर दिया गया है।

(ii) अब देश पड़ोसी देश के हवाले है।

(iii) उसे ही इसकी रक्षा करनी हैं

(iv) सिपाहियों ने हिमालय का सिर झुकने नही दिया।

(v) मरते समय भी सिपाहियों का उत्साह और जोश बना रहा।

पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए–

(क) (i), (ii), और (iii)

(ख) (i), (iv), और (v)

(ग) (ii), (iii), और (iv)

(घ) (ii), (iv), और (v)

उत्तर : (ख) (i), (iv), और (v)

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए– $(1 \times 2 = 2)$

(1) 'मीठी वाणी का औरो पर क्या प्रभाव पड़ता है?

(क) दूसरे क्रोधित हो जाते है

(ख) दूसरे सुख और संतोष का अनुभव करते हैं

(ग) दूसरे मीठी वाणी सुनकर दुखी हो जाते है

(घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (ख) दूसरे सुख और संतोष का अनुभव करते है

(2) अपनी इच्छाओ की पूर्ति के लिए प्रार्थना के अलावा हम और क्या करते है?

(क) मेहनत करते हैं

(ख) दूसरो से प्रेरणा लेते हैं

(ग) आत्मविश्वास पर भरोसा करते हैं

(घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (घ) उपर्युक्त सभी

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए– $(1 \times 5 = 5)$

ऐसी एक घटना का ज़िक्र सिंधी भाषा के महाकवि शेख आयाज ने अपनी आत्मकथा में किया है। उन्होने लिखा हैं– एक दिन उनके पिता कुएँ से नहाकर लौटे। माँ ने भोजन परोसा। उन्होने जैसे ही रोटी का कौर तोड़ा उनकी नजर अपनी बाजू पर पड़ी। वहा एक काला च्योंटा रेंग रहा था। वह भोजन छोडकर उठ खडे हुए। 'माँ ने पूछा, क्या बात है? भोजन अच्छा नही लगा?' शेख अयाज़ के पिता बोले, 'नही, यह बात नही है। मैने एक घर वाले को बेघर कर दिया है। उस बेघर को कुएँ पर उसके घर छोडने जा रहा हूँ।

(1) शेख अयाज़ किस भाषा के महाकवि थे?

(क) हिंदी के

(ख) अंग्रेजी के

(ग) सिंधी के

(घ) मराठी के

उत्तर : (ग) सिंधी के

(2) शेख अयाज़ के पिता कहाँ से नहाकर लौटे थें?

(क) तालाब से

(ख) नदी से

(ग) कुएँ से

(घ) स्नानघर से

उत्तर : (ग) कुएँ से

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए

कथन (A) : शेख अयाज़ के पिता भोजन छोड़कर उठ खड़े हुए

कारण (R) : एक काला च्योंटा उनकी रोटी पर रेंग रहा था

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनो गलत हैं।

(ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता हैं।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनो सही है तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता हैं।

उत्तर : (ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता हैं।

(4) शेख अयाज़ के पिता भोजन छोड़कर खड़े हो गए, क्योंकि–

(क) भोजन अच्छा नही बना था

(ख) उन्हे भूख नही थीं

(ग) वे नाराज हो गए थें

(घ) उन्हे च्योंटें को कुएँ पर छोड़ने जाना था

उत्तर : (घ) उन्हे च्योंटें को कुएँ पर छोड़ने जाना था

(5) गद्यांश के अनुसार शेख अयाज़ के पिता जींवों के प्रति थे

(क) संवेदनहीन

(ख) संवेदनशील

(ग) उदासीन

(घ) निर्दयी

उत्तर : (ख) संवेदनशील

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए– **$(1 \times 2 = 2)$**

(1) निम्नलिखित में से किस वाक्य के अनुसार बड़ें भाई साहब को लगता है कि छोटा भाई दादा की गाढ़ी कमाई बर्बाद कर रहा है–

(i) बडे भाई को सम्मान न देने के कारण

(ii) खाने–पीनेम में अधिक खर्च्र करके के कारण

(iii) खेल–कूद में समय बर्बाद करने के कारण

(iv) अध्यापकों का आदर न करने के कारण

(क) केवल (i) (ख) (ii) और (iv)

(ग) केवल (iii) (घ) (i) और (ii)

उत्तर : (ग) केवल (iii)

(2) ऐसी उड़ती हुई धुल से प्रतीत होता है जैसे की एक पूरा काफिला चला आ रहा है........यह कथन किसका है?

(क) कर्नल कालिज का

(ख) कर्नल रोज का

(ग) किसी का नहीं

(घ) वजीर अली का

उत्तर : (क) कर्नल कालिज का

खंड ब – (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए– **$(3 \times 2 = 6)$**

(1) 'डा़यरी का एक पन्ना' पाठ आपको देश की आजादी के इतिहास को पढ़ने के लिए किस प्रकार प्रेरित करता है?

उत्तर :

'डायरी का एक पन्ना' पाठ देशप्रेम की भावना से ओत–प्रोत है इस पाठ में लेखके ने दूसरे स्वतंत्रता दिवस का वर्णन किया है, जिसे अन्य देशवासियो सहित नेता जी सुभाषचंद्र बोस के नेतृत्व में कलकत्ता वासियों ने पूरे उत्साह से मनाया था। यह पाठ हमें उन क्रांतिकारियों की याद दिलाता है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान कर दिया। आजादी की इस लड़ाई में हमारे देश के हर वर्ग के स्त्री–पुरूषों ने संगठित होकर ऐसा संघर्ष किया था कि दुनिया में सबसे शक्तिशाली समझे जाने वाले अंग्रेजी शासन की नींव हिल गई थी। उस समय प्रत्येंक देशवासी में स्वतंत्रता के लिए ऐसा उन्माद था कि वह पुलिस की बर्बरता को बिना झुके सहन करता और हँसते–हँसते फाँसी के तख्ते पर भी चढ़ जाता था। इस संघर्ष में देश की स्त्रिया भी पीछे नहीं रही। इस पाठ को पढ़कर कोई भी देशप्रेमी भावुक हो सकता है तथा देश की आजादी के इतिहास को पढ़ने के लिए प्रेरित हो सकता है।

(2) 'प्रेम संबंध किसी धर्म, जाति और सीमा के पाबंद नहीं होते'। 'ततॉंरा–वामीरो कथा' पाठ के आधार पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

उत्तर :

'ततॉंरा–वामीरो कथा' इस बात की प्रमाण है कि प्रेम रूढ़ियों और बंधनों मे नहीं पल सकता। प्रेम किसी प्रकार की कोई सीमा नहीं जानता। ततॉंरा को क्या पता था कि उसका प्रेम वमीरो से होगा। वामीरो तो जानती थी कि अन्य गाँव के युवक से प्रेम करना नीति–विरूद्ध है, फिर भी वह अपने ह्रदय का क्या करे? उसका ह्रदय गाँव की रूढ़ियों के विरूद्ध ततॉंरा के लिए बहता रहा। उनके मूक प्रेम पर गाँव के नियमों की तलवार लटकी रही, जिस कारण वे सबके सम्मुख अपने प्रेम को खुलकर प्रकट न कर सके। जब उनका प्रेम प्रकट हुआ तो गाँव के लोग बीच में कूद पडे। वे उनके विरोध में खड़े हो गए। इस प्रकार उनका सच्चा प्रेम कुंठित होकर नष्ट हो गया।

(3) 'झेन की देन' प्रसंग में 'सारा इंजन टूट जाता है' का क्या आशय है?

उत्तर :

इसका आशय यह है कि मनुष्य की एक स्वाभाविक गति और कार्य करने की एक निर्धारित सीमा है। सामान्य जीवन में हम उस स्वाभाविक गति और निर्धारित सीमा में रहकर कार्य करते हैं। जब हमारे ऊपर कार्य का दबाव बढ़ जाता है, तब हमारे मस्तिष्क को उस गति और सीमा से बाहर जाकर कार्य करना पड़ता है अर्थात् हम अपने मस्तिष्क का प्रयोग बेजान इंजन की तरह करने लगते हैं। मगर जैसे बेजान इंजन भी लगातार चलाए जाने पर गरम होकर फटकर टूट जाता है, वैसे ही इंजन बना मस्तिष्क भी निरंतर कार्य करते जाने के कारण टूट जाता हैं। मस्तिष्क रूपी इंजन की यही टूट मनोरोग कहलाती है।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए– **$(3 \times 2 = 6)$**

(1) कवि ने दधीचि, कर्ण आदि महान व्यक्तियों का उदाहरण देकर 'मनुष्यता' के लिए क्या संदेश दिया है?

उत्तर :

महर्षि दधीचि ने संसार के कल्याण हेतु अपनी हड्डियाँ देवताओं को दान दे दी थी तथा कर्ण ने याचक बने इंद्र को अपना रक्षाकवच दान मे दे दिया था। इन व्यक्तियों का उदाहरण देकर कवि यह संदेश देना चाहता है कि परोपकार ही सच्ची मनुष्यता है। मनुष्य का शरीर नश्वर है। मृत्यु के द्वारा नष्ट किए जाने से पहले ही इसे परोपकार मे लगा देना चाहिए। दधीचि और कर्ण आदि महान पुरूषों ने इस तथ्य को समझ लिया था, इसलिए उन्होंने अपना जीवन परोपकार में लगा दिया।

(2) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए?

उत्तर :

'पर्वत प्रदेश मे पावस' प्राकृतिक–सौंदर्य की कविता है। इसमें कवि ने वर्षाकाल मे पर्वत प्रदेश की सुंदरता का सजीव चित्रण किया हैं। पर्वत करधनी के आकार का और बहुत विशाल है। उस पर हजारों फूल खिले हैं। उसके तल मे दर्पणरूपी तालाब है। पर्वत उस तालाब में मानो अपना प्रतिबिंब निहारता है। पर्वत पर खड़े ऊँचे–ऊँचे वृक्ष आकाश को आश्चर्य से देख रहे हैं। पर्वतों पर उड़ते हुए बादल पंखों वाले पर्वत जैसे लगते हैं। वे अचानक इतनी घनघोर वर्षा करते हैं कि उसमें सबकुछ अदृश्य हो जाता है। झरने मोती की लड़ियों जैसे सुंदर हैं वे पर्वत का गुणगाान करते हुए प्रतीत होते हैं। तालाब से उठती जलवाष्प को देखकर ऐसा लगता है जैसे उसमें आग लग गई हों। वहाँ प्रकृति में पल–पल परिवर्तन होता दिखाई दे रहा है। ऐसा लगता है जैसे इंद्रदेव बादलरूपी यान पर बैठकर जादू का खेल दिखा रहे हैं।

(3) मीरा अपने हृदय की अधीरता को कैसे दूर करना चाहती हैं?

उत्तर :

मीराबाई अपने आराध्य की अनन्य भक्ति में लिप्त हैं। उनके दर्शन करने को वह काफी विकल हैं। अपनी विकलता को बताते हुए वे श्रीकृष्ण को गुहार लगाती हैं और कहती हैं कि, हे प्रभु मुझे दर्शन दो, आप तो गिरधर नागर हैं। कितनों की पीड़ा आपने दूर की है। मेरी भी कीजिए। वह प्रार्थना करती हुई कहती है कि यमुना नदी के किनारे आधी रात को दर्शन देने की कृपा करना। मेरे हृदय की अधीरता को आप ही दूर कर सकते हैं। इस पद में मीरा की कृष्ण भक्ति की उत्कट लालसा अभिव्यक्त हुई है।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए– $(3 \times 2 = 6)$

(1) टोपी और इफ़्फ़न की परंपराएँ, सोच अलग–अलग थीं फिर भी उन दोनों में इतना मेल क्यों था? कारण देते हुए स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

सच्ची मित्रता का संबंध परंपराओं या अलग सोच से न होकर मन से होता है। टोपी और इफ़्फ़न के मनों उदारता थी, दोनों ने अपने–अपने घरों की कट्टरता से परे रहकर एक–दूसरे को मित्र बनाया। वास्तव में, धार्मिक उन्माद से बालमन का कुछ भी लेना–देना नहीं होता। उसके लिए इंसानियत ही सब कुछ होती है। यही कारण है कि टोपी और इफ़्फ़न की परंपराएँ, सोच अलग–अलग थी फिर भी उन दोनों में इतना मेल था और इसी कारण दोनों एक–दूसरे के बिना अधूरे दिखाई देते हैं और यहाँ तक कि इफ़्फ़न के पिता जी के तबादले के बाद टोपी भावात्मक रूप से टूट जाता है।

(2) वर्तमान समय में हरिहर काका जैसे वृद्ध व्यक्तियों के प्रति युवा पीढ़ी का क्या कर्तव्य है? पाठ के आधार पर अपने विचार लिखिए।

उत्तर :

वर्तमान समय में हरिहर काका जैसे वृद्ध व्यक्तियों के प्रति युवा पीढ़ी का कर्तव्य है यदि हरिहर काका जैसी हालत में कोई हो तो वे उनकी हरसंभव मदद करने की कोशिश करें। उनसे मिलकर उनके दुख का कारण पता करें, उन्हें अहसास दिलाएँ कि वे अकेले नहीं हैं। सबसे पहले तो यह विश्वास कराएँ कि सभी व्यक्ति लालची नहीं होते हैं। इस तरह मौन रह कर दूसरों को मौका न दें बल्कि उल्लास से शेष जीवन बिताएँ। उनके परिवारजनों तथा रिश्तेदारों से मिलकर उनके संबंध सुधारने का प्रयास करें। उन्हें हर प्रकार से खुश रखने की कोशिश करें। उन्हें यह भी बताएँ कि जब तक साँस है, तब तक आस है। जिंदादिली से जियो। जो उनकी किस्मत का है, उसे कोई नहीं छीन पाएगा।

(3) 'कोई भी भाषा आपसी व्यवहार में बाधा नहीं डालती।' 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

कोई भी भाषा आपसी व्यवहार में बाधा नहीं बनती। अपनी इस बात को स्पष्ट करने के लिए लेखक श्री गुरदयाल सिंह अपने बचपन की एक घटना की ओर संकेत करते हैं। वे कहते हैं कि बचपन में उनके आधे से अधिक साथी हरियाणा या राजस्थान से व्यापार के लिए आए परिवारों से संबंधित थे। उनके कुछ शब्द सुनकर लेखक व उनके अन्य साथियों को हँसी आ जाती थी। बहुत से शब्द समझ में नहीं आते थे। किंतु जब वे सब मिलकर खेलते थे, तब सभी को एक दूसरे की बात खूब अच्छी तरह समझ में आ जाती थी और खेल में किसी प्रकार की बाधा नहीं आती थी।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत–बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए– $(5 \times 1 = 5)$

(1) **कमरतोड़ महँगाई**

- बढ़ती महँगाई
- कारण
- मुक्ति के उपाय

(2) **महानगरों में महिलाओं की सुरक्षा**

- महानगरों की समस्या और सुरक्षा की स्थिति
- महिलाओं की असुरक्षा
- कारण, प्रभाव और समाधान

(3) **मित्र की परख संकट में**

- मित्रता का महत्व
- अच्छे मित्र बुरे मित्र की पहचान
- मित्रता सौभाग्य से

उत्तर :

(1) कमरतोड़ महँगाई

महँगाई मूल्यों में निरंतर वृद्धि, उत्पादन की कमी और माँग की पूर्ति में असमर्थता की परिचायक है। जीवनयापन के लिए अनिवार्य तत्वों रोटी, कपड़ा और मकान की बढ़ती महंगाई ने जनता को पीस कर रख दिया है। महंगाई बढ़ने के अनेक कारण हैं जिसमें जनसंख्या का बढ़ना, कृषि उत्पादनों में कमी, मुद्रा प्रसार एवं स्फीति, देश में बढ़ता भ्रष्टाचार एवं ढुलमुल प्रशासन, धन का असमान वितरण तथा घाटे की अर्थव्यवस्था समान रूप से उत्तरदायी है। जितनी तेजी से जनसंख्या वृद्धि हो रही है उतनी तेजी से वस्तुओं की आपूर्ति नहीं हो पाती। इसलिए व्यापारी लोग वस्तुओं की जमाखोरी करके अधिक दाम में बेचते हैं। सरकारी तंत्र भी इसे रोकने के बजाए बढ़ाने में ही मददगार हैं। महंगाई सरकार की आर्थिक नीतियों की विफलता ही कही जा सकती है। इसके लिए सरकार को कड़ा कानून बनाकर दुकानदार को बेची जाने वाली प्रत्येक वस्तु का मूल्य तथा उसकी कितनी मात्रा उसके पास उपलब्ध है, उसे लिखकर टाँगना अनिवार्य करना चाहिए। जनसंख्या पर रोक लगाकर इसे काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। एक ऐसी राष्ट्रीय नीति बनाने की आवश्यकता है जो महँगाई पर अंकुश लगा सके।

(2) महानगरों में महिलाओं की सुरक्षा

महानगरों में केवल जनसंख्या ही अधिक नहीं होती, समस्याएँ भी अधिक होती हैं। जैसे रहने की समस्या, वाहनों की समस्या, प्रदूषण की समस्या, लूटपाट, छीना-झपटी, अपहरण की समस्या और आज के समय में महिलाओं की सुरक्षा की समस्या। आए दिन महिलाओं से छेड़छाड़, अभद्र व्यवहार, बलात्कार व हत्याओं के मामले सामने आ रहे हैं। क्यों नहीं हमारी पुलिस इस ओर ठोस कदम उठाती? क्यों अपराधियों को सजा नहीं दी जाती? क्यों एक लम्बी कोर्ट कार्यवाही के बाद सबूतों के अभाव का हवाला देकर उन्हें छोड़ दिया जाता है? क्या महिलाओं की सुरक्षा हम सबका उत्तरदायित्व नहीं है? इसके लिए जागरूक होकर पहल करनी होगी, पुलिस विभाग और कानून व्यवस्था को कड़े नियम अपनाने होंगे तथा महिलाओ को आत्मविश्वास व दृढ़ता से जागरूक होकर पहल करनी होगी, निर्भय होकर अपराधियों का सामना करना होगा।

(3) मित्र की परख संकट में

मित्रता बड़ा अनमोल रत्न है। हम सभी मनुष्य को अपना सुख-दुख बाँटने और मन की बात करने के लिए मित्र की आवश्यकता होती है। यह एक औषधि के समान हमारे समस्त कष्टों को दूर करने का प्रयत्न करता है। सच्चा मित्र भी वही है जो सभी मुसीबतों में हमारा साथ दें। पंचतंत्र में कहा भी गया है- जो व्यक्ति न्यायालय, श्मशान और विपत्ति के समय साथ देता है उसको सदा सच्चा मित्र समझना चाहिए। मित्रता समानता के आधार पर होनी चाहिए। दोनों के आर्थिक स्तर में ज्यादा परिवर्तन नहीं होना चाहिए। वह सच्चरित्र और विनम्र तो हो ही विश्वासपात्र भी होना आवश्यक है। सच्चे मित्र की पहचान यही है कि वो हमें सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। निराशा में हिम्मत तथा अच्छे कार्यों में सहयोग दे, अपना स्वार्थ नहीं मित्र की भलाई पर ध्यान दे। ऐसा सच्चा मित्र जो हमारे सुख और सौभाग्य की चिंता करे सौभाग्य की बात है। सच्चा और अच्छा मित्र हमारे जीवन की सफलता की कुँजी है। कहा भी गया है कि 'सच्चा प्रेम दुर्लभ है, सच्ची मित्रता उससे भी दुर्लभ।'

15. (1) नगर की सफाई-दुर्व्यवस्था की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए स्वास्थ्य मंत्री को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। $(5 \times 1 = 5)$

उत्तर :

सेवा में,

स्वास्थ्य मंत्री,

दिल्ली सरकार,

नई दिल्ली-110001

दिनांक : 16 सितम्बर, 20xx

विषय : सफाई-दुर्व्यवस्था के संबंध में।

महोदय,

नगर में कहीं भी स्वच्छता दृष्टिगोचर नहीं होती। खासकर हमारे ईस्ट लोनी रोड इलाके में पिछले पन्द्रह दिनों से सफाई कर्मचारी काम पर नहीं आ रहे हैं। मोहल्ले में चारों ओर कूड़ा-कचरा इकट्ठा हो गया है। नालियों की सफाई न होने से नालियों का पानी गलियों में इधर-उधर बह रहा है। गंदगी के कारण मक्खियों-मच्छरों की भरमार है। साथ ही आवारा पशु जैसे कुत्ते और साँड़ कचरे को इधर-उधर बिखरा देते हैं। राह चलना मुश्किल हो गया है। साथ ही दुर्गन्ध के कारण यहाँ एक पल भी रहने की इच्छा नहीं होती।

अतः मैं इस ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ, ताकि आप हमारी इस समस्या पर गंभीरता से विचार-विमर्श करें एवं सफाई कर्मचारियों को तुरंत अपना काम करने के लिए निर्देश दें। आपसे मेरा विनम्र अनुरोध है कि आप सफाई कर्मचारियों को हमारे इलाके की सभी नालियों की समुचित सफाई करने और कूड़े का ढेर हटाने का तुरंत आदेश देकर संक्रामक रोगों को फैलने से रोकें।

सधन्यवाद।

भवदीय,

कमल

पता- विकास नगर।

अथवा

(2) दैनिक जागरण समाचार–पत्र के संपादक को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए, जिसमें दिल्ली में बढ़ती हुई अपराध–वृत्ति की ओर अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया गया हो।

उत्तर :

सेवा में,
श्रीमान संपादक महोदय,
दैनिक जागरण,
दिल्ली।

दिनांक : 10 फरवरी, 20xx

विषय : दिल्ली में बढ़ती अपराध–वृत्ति के संदर्भ में।

महोदय,

मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार–पत्र दैनिक जागरण के माध्यम से दिल्ली सरकार के अधिकारियों का ध्यान दिल्ली में बढ़ती हुई अपराध–वृत्ति की ओर आकृष्ट कराना चाहती हूँ। आशा है कि आप मेरे पत्र को अपने समाचार–पत्र में प्रकाशित करेंगे। मुझे अत्यंत खेद सहित लिखना पड़ रहा है कि दिल्ली में आजकल गुंडागर्दी, लूटपाट, बलात्कार, हत्याएँ, अपहरण जैसी आपराधिक घटनाएँ नियमित रूप से बढ़ रही हैं। देश की राजधानी दिल्ली 'अमन चैन की राजधानी' न रहकर असामाजिक तत्वों व अपराधियों द्वारा 'भय व आतंक के वातावरण की राजधानी' बनकर रह गई है। जहाँ दिन–दहाड़े दुकानदारों से लूट, घरों में चोरी, छोटे बच्चों का अपहरण, लड़कियों से छेड़छाड़ व बलात्कार तो जैसे सामान्य बात हो गई है।

महोदय, दुःख तो इस बात का है कि अनेक राजनीतिक संगठन, गैर–सरकारी संस्थाओं तथा छात्र संगठनों के द्वारा अनेक बार इस ओर ध्यान दिलाए जाने के पश्चात् भी केन्द्र सरकार चुपचाप बैठी है। वह संबंधित पुलिस अधिकारियों को कठोर निर्देश जारी नहीं करती।

मेरा केन्द्र सरकार तथा पुलिस के अधिकारियों से अनुरोध है कि वे इस संबंध में कठोरतम कार्यवाही करें, जिससे अपराधियों के मन में भय उत्पन्न हो और वे अपराध करने से पहले दस बार सोचें।

सधन्यवाद।

भवदीया
रोशनी रॉय
दिल्ली

16. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर पर लगभग 80 शब्दों में सूचना लिखिए– **$(4 \times 1 = 4)$**

(1) प्रधानाचार्य की ओर से विद्यालय में स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने जा रही खेल प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु सूचना लगभग 80 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

महात्मा गाँधी पब्लिक स्कूल, जमशेदपुर

सूचना

दिनांक : 05 अप्रैल, 20xx

खेल प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु

विद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर दिनांक 20 अप्रैल, 20xx को अंतर्विद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिनमें अनेक विद्यालयों से क्रिकेट, वॉलीबॉल, कबड्डी और खो–खो की टीमें भाग लेंगी। अतः आप सभी छात्रों से अनुरोध है कि जो भी छात्र इस वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में हिस्सा लेना चाहते हैं वो अपना नाम विद्यालय के खेल शिक्षक श्री नरेंद्र मोहन के पास यथा शीघ्र दर्ज करा लें। ज्यादा जानकारी के लिए खेल शिक्षक से संपर्क करें।

हस्ताक्षर
रविन्द्र भट्टाचार्य
प्रधानाचार्य

अथवा

(2) आप इस वर्ष दशहरे के अवसर पर विद्यालय के प्रांगण में मेले का आयोजन करना चाहते हैं। इसी से संबंधित सूचना लगभग 80 शब्दों में विद्यालय के सूचना पट्ट के लिए लिखिए।

उत्तर :

राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, भोपाल

सूचना

दिनांक : 25 सितम्बर, 20xx

मेले का आयोजन

सभी छात्र–विद्यालय को सूचित किया जाता है कि दशहरे के अवसर पर इस वर्ष विद्यालय प्रांगण में मेले का आयोजन किया जा रहा है। दो दिवसीय मेला दिनांक 02.10.20xx से 04.10.20xx तक प्रातः 11:00 बजे से सायं 8:00 बजे तक चलेगा। मेले में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएँगे। इनमें भाग लेने के लिए आप सभी आमंत्रित हैं। मेले में इच्छुक विद्यार्थी अपनी स्टॉल भी लगा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए अपने कक्षाध्यापक से संपर्क करें।

हस्ताक्षर
विवेक स्वामी
सांस्कृतिक सचिव

17. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए– **$(3 \times 1 = 3)$**

(1) आपकी बड़ी बहन ने एक संगीत सिखाने की संस्था खोली है। इसके लिए लगभग 60 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

संस्कृति संगीत संस्था

- नवीनतम उपकरण!
- आधुनिकतम तकनीक!
- कुशलतम प्रशिक्षक!

आज ही दाखिला लें

यहाँ सभी प्रकार के वाद्य यंत्रों को बजाना सिखाया जाता है।

मात्र ₹500 मासिक शुल्क देकर कुशल प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिदिन 2 घंटा संगीत सीखिए।

जल्दी करें!

पहले 100 एडमिशन के लिए एक महीने निःशुल्क प्रशिक्षण।

संपर्क

6/341, साकेत, दिल्ली।

मोबाइल नं. : 089874xxxxx

अथवा

(2) विद्यालय के वार्षिकोत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा निर्मित हस्तकला की वस्तुओं की प्रदर्शनी के प्रचार हेतु लगभग 60 शब्दों में एक विज्ञापन लिखिए।

उत्तर :

एम. जी. पब्लिक स्कूल
वार्षिकोत्सव

दिनांक 4 जनवरी, 20xx

यहाँ विद्यार्थियों द्वारा निर्मित विशिष्ट हस्तशिल्प सामग्रियाँ सस्ते दामों में उपलब्ध होगी तथा छात्र–छात्राएँ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे।

विशेष आकर्षण

घर की सजावट का सामान, मोमबत्तियाँ, मिट्टी के बर्तन, वस्त्र, जूट बैग, लकड़ी के झूले, लकड़ी के खिलौने।

इन्हें खरीद कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करें तथा उनकी कलात्मक अभिरूचि को बढ़ाएँ।

कार्यक्रम का स्थान : विद्यालय सभागार

समय : दोपहर 12 बजे से सायं 5 बजे तक

18. (1) 'धन यहाँ न सही कहीं और सही' विषय पर लघु कथा लगभग 100 शब्दों में लिखिए। **$(5 \times 1 = 5)$**

उत्तर :

धन यहाँ न सही कहीं और सही

एक व्यक्ति के पास बहुत धन था, पर स्वभाव से वह था कंजूस। घर में अपने धन को इसलिए नहीं रखता था कि कोई चोर–डाकू न चुरा ले। अतः गाँव के बाहर एक जंगल में गड्ढा करके अपना सारा धन गाड़ आया। दूसरे–तीसरे दिन जाता और उस स्थान को चुपचाप देख आता।

एक बार एक चोर को शक हुआ, वह कंजूस के पीछे–पीछे चुपचाप गया और छिपकर देख आया। उसे समझते देर न लगी कि इस स्थान पर अवश्य कोई मूल्यवान वस्तु दबी है। जब कंजूस चक्कर लगाकर घर चला आया तो उसे चोर ने खुदाई करके सारा धन प्राप्त कर लिया और वहाँ से रफूचक्कर हो गया।

दूसरे दिन जब वह कंजूस फिर अपने छिपे धन को देखने गया तो उसे जमीन खुदी हुई दिखाई दी। उसका सारा धन जा चुका था।

माथा पकड़कर जोर से रोने चिल्लाने लगा "हाय में तो लूट गया, मेरे सारे जीवन की कमाई चोर ले गए।" रोना–चिल्लाना सुनकर जंगल में रहने वाले आस–पास के कई आदमी आ गए। उन्होंने पूछकर सारी स्थिति जानी।

एक आदमी ने समझाते हुए कहा– "सेठ जी! धन तो आपके काम पहले भी न आया था और न आपके जीवन में आ सकता था। हाँ, उस पर आपका अधिकार अवश्य था और उसे यहाँ छिपाकर रख छोड़ा था। अब धन यदि यहाँ से कहीं और जगह चला गया तो आपकी कौन सी हानि हो गई, क्योंकि आपके लिए तो वह बेकार ही था, तभी तो आप उसे गाड़ कर रखते थे। ऐसी स्थिति में दुःखी होने की क्या आवश्यकता है।

अथवा

(2) हिंदी शैक्षिक भ्रमण के रूप में इस बार आपकी कक्षा किसी गाँव में एक सप्ताह तक प्रौढ़ शिक्षा का कार्यक्रम करने की इच्छा रखती है। इसके लिए अनुमति माँगते हुए प्रधानाचार्य को ई–मेल लिखिए।

उत्तर :

From	anujsharma89@gmail.com
To	principalgsss@gmail.com
Subject	शैक्षिक भ्रमण के लिए किसी गाँव में भेजने का आग्रह।

सेवा में,
प्रधानाचार्य
राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय
शक्तिनगर, कानपुर (उत्तर प्रदेश)
महोदय,
जैसा कि आप जानते ही हैं, हमारे विद्यालय की ओर से प्रतिवर्ष शैक्षिक भ्रमण पर ले जाया जाता है। हमारी कक्षा के सभी विद्यार्थी चाहते हैं कि इस कार्यक्रम के तहत इस बार कानपुर देहात के किसी एक गाँव में एक सप्ताह का समय बिताएँ। इस दौरान हम यहाँ के निरक्षर लोगों को अक्षर ज्ञान करवाने का प्रयास करें। हमारे लिए यह अवसर एक पंथ दो काज करने के समान होगा। उनके बीच रहकर हम ग्रामीण जीवन के बारे में बहुत कुछ जान सकेंगे और अपनी ओर से उन्हें विद्यादान दे सकेंगे। हम आशा करते हैं कि आप हमारी भावनाओं को देखते हुए हमें इस साल शैक्षिक भ्रमण के लिए किसी गाँव में जाने की अनुमति देकर कृतार्थ करेंगे।
आपका आज्ञाकारी शिष्य
अनुज शर्मा (मॉनिटर)
कक्षा – 10 'बी'